अण्डमान निकोबार
द्वीप समाचार

संख्या 16 पोर्ट ब्लेयर, मंगलवार, 16 जनवरी 2024 web: www. and.ni

आईसीएआर–सीआईएआरआई ने द्वीप समूह से तीन पशु नस्लों को पंजीकृत किया

पोर्ट ब्लेयर, 15 जनवरी।

इन द्वीपों के पशुपालन क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण विकास में, अंडमानी बकरी, अंडमानी सुअर और अंडमानी बत्तख को हरियाणा के करनाल में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद–राष्ट्रीय पशु आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो द्वारा भारत में नई नस्लों के रूप में मान्यता दी गई है। मिशन टुवर्ड्स जीरो नॉन डिस्क्रिप्ट एनिमल जेनेटिक रिसोर्सेज ऑफ इंडिया के तहत, पोर्ट ब्लेयर में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर)–केन्द्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान (सीआईएआरआई) ने पशुपालन और पशु चिकित्सा सेवा निदेशालय और अंडमान निकोबार प्रशासन के सहयोग से संयुक्त रूप से देशी पशु

और पोल्ट्री आनुवंशिक संसाधन विशेषताओं को चिह्नित करने की पहल की है। नस्ल का लक्षण वर्णन किया गया और एक आनुवंशिक प्रोफाइल पूरी की गई, जिसके बाद नस्लों को पंजीकृत करने के लिए एक आवेदन प्रस्तुत किया गया। आईसीएआर–नस्ल पंजीकरण समिति ने 5 दिसंबर, 2023 को हुई अपनी बैठक में अंडमानी बकरी, अंडमानी सुअर और अंडमानी बतख को विशिष्ट नस्लों के रूप में पंजीकरण को मंजूरी दे दी है।

अंडमानी बकरियां मध्यम से

छोटे कद की, सुगठित शरीर वाली और अधिकतर काले रंग की होती हैं। ये बकरियां मुख्य रूप से अंडमान द्वीप समूह में वितरित की जाती हैं। कान चपटे और पत्ती जैसे, मध्यम आकार के और झुके हुए होते हैं। दोनों लिंगों के सींग छोटे होते हैं, जो ऊपर और पीछे की ओर मुड़े होते हैं। पूँछ मध्यम लंबाई की और ऊपर की ओर मुड़ी हुई होती है। 12 महीने की उम्र में शरीर का वजन 14 से 19 किलोग्राम तक होता है।

अंडमानी सूअर अंडमान द्वीप समूह के विभिन्न द्वीपों पर वितरित किये जाते हैं। वे

मजबूत, आकार में मध्यम और काले (ज्यादातर) या भूरे रंग के होते हैं। गर्दन और पिछले हिस्से के बाल बहुत घने और लंबे होते हैं, जबकि किनारों और पार्श्व क्षेत्रों के बाल क्रमशः छोटे और पतले होते हैं। सबसे आम तौर पर देखी जाने वाली विशेषता पीठ (पीठ के निचले हिस्से) का थोड़ा नीचे की ओर झुकना या वक्रता है। क्षेत्र की परिस्थितियों में 1 वर्ष की आयु में उनका शरीर का वजन नर के लिए 60 से 75 किलोग्राम और मादा के लिए 55 से 65 किलोग्राम हो जाता है। फैरोइंग के समय पशुओं के बच्चे का आकार 6 से 13 तक होता है।

अंडमानी बत्तख एक दोहरे उद्देश्य वाली नस्ल है, जो मुख्य रूप से उत्तर व मध्य अंडमान में वितरित की जाती है। वे अन्य देशी बत्तखों की तुलना में तुलनात्मक रूप से लंबी गर्दन, काली नोक वाली पीले रंग की चोंच, काली त्वचा, गर्दन के चारों ओर एक सफेद पट्टी और छोटी टांग जैसी विशेषताओं के साथ मध्यम आकार की बत्तखें हैं।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इन नस्लों के आनुवंशिक लक्षण वर्णन से पता चला कि वे अंडमान द्वीप समूह के स्थानीय सूक्ष्म पर्यावरण के अनुकूल हैं और उच्च आनुवंशिक विविधता रखते हैं, जो आसन्न जलवायु परिवर्तन परिदृश्यों का सामना करने की उनकी मजबूत क्षमता का संकेत है। अतः, अंडमान द्वीप समूह में जलवायु के अनुकूल पशुधन पालन के लिए स्वदेशी नस्लों की अत्यधिक अनुशंसा की जाती है।